SHRI LAL BAHADUR SHASTRI DEGREE COLLEGE, GONDA
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा
An affiliated college of Maa Pateswari University, Balrampur
Accredited B++ By NAAC

REPORT ON THE INDUCTION PROGRAMME (2025-26)

प्रथम सेमेस्टर नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं
दिनांक: 26 जुलाई 2025
स्थान: ललिता शास्त्री सभागार, मुख्य परिसर

1. प्रस्तावना (Introduction)

26 जुलाई 2025 को महाविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित **ललिता शास्त्री सभागार** में प्रातः 10:00 बजे से प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए **दीक्षारंभ कार्यक्रम** का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुक विद्यार्थियों का औपचारिक स्वागत करना, उन्हें महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, विभागीय गतिविधियों, अनुशासन, कार्यप्रणाली तथा सह-पाठ्य एवं सांस्कृतिक अवसरों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों — हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, मध्यकालीन इतिहास, गृह विज्ञान, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, शारीरिक शिक्षा, सैन्य विज्ञान, एनसीसी, रेड क्रॉस तथा रोवर्स-रेन्जर्स — से संबद्ध छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

प्राचार्य प्रो. रविंद्र कुमार, आई० क्यू० ए० सी० समन्वयक प्रो. जितेंद्र सिंह, प्रो. जयंकर शतवारी, प्रो. मंसाराम वर्मा, प्रो. अभय श्रीवास्तव, डॉ. अरुण वर्मा, डॉ. शैलेश कुमार, प्रो. रंजन शर्मा, प्रो. ममता शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश यादव सहित सभी विभागों के प्राध्यापकगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

2. कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ (Program Highlights)

- कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार **दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना** से हुआ।
- **प्राचार्य प्रो. रविंद्र कुमार** ने स्वागत भाषण में कहा कि शिक्षा केवल डिग्री का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, मूल्य स्थापना और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रक्रिया है।
- **आई० क्यू० ए० सी० समन्वयक प्रो. जितेंद्र सिंह** ने गुणवत्तापरक शिक्षा, संस्थागत विकास, मूल्यांकन प्रणाली और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्व पर प्रकाश डाला।
- विभागीय प्रस्तुतियाँ —
  - **हिंदी विभाग:** भाषा, साहित्य और संस्कृति की अभिव्यक्ति व शोध की भूमिका।
  - **अंग्रेजी विभाग:** वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भाषिक दक्षता एवं आलोचनात्मक चिंतन का महत्व।

- **समाजशास्त्र विभाग:** सामाजिक परिवर्तन, लैंगिक समानता एवं नैतिक मूल्यों की आवश्यकता।
- **मध्यकालीन इतिहास:** इतिहास से सीख लेकर वर्तमान को समझने की प्रेरणा।
- **गृह विज्ञान:** पोषण, परिधान निर्माण, बाल विकास और सामाजिक प्रासंगिकता।
- **संस्कृत विभाग:** भाषा का सांस्कृतिक महत्व और जीवन दृष्टि में योगदान।
- **शिक्षाशास्त्र व मनोविज्ञान:** शिक्षकीय मूल्य, मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-विश्लेषण।
- **राजनीतिशास्त्र:** संविधान, लोकतंत्र और नागरिक कर्तव्यों का महत्व।
- **अर्थशास्त्र:** आर्थिक नीति, वित्तीय जागरूकता और करियर संभावनाएं।
- **भूगोल:** पर्यावरणीय अध्ययन, GIS और फील्ड वर्क का महत्व।
- **शारीरिक शिक्षा:** "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क" की अवधारणा।
- **सैन्य विज्ञान व एनसीसी:** अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र सेवा की भूमिका।
- **रेड क्रॉस:** सामाजिक सेवा और आपदा प्रबंधन।
- **रोवर्स-रेन्जर्स:** नेतृत्व, सेवा कार्य और सामुदायिक भागीदारी।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक इकाई द्वारा **स्वागत गीत, लघु प्रस्तुतियाँ एवं संबोधन** भी दिए गए।

3. छात्र सहभागिता एवं ओरिएंटेशन सत्र (Student Interaction & Orientation)

दीक्षारंभ के पश्चात **ओरिएंटेशन सत्र** आयोजित हुआ, जिसमें नव प्रवेशित विद्यार्थियों को —

- महाविद्यालय की आंतरिक संरचना
- प्रशासनिक नियम
- परीक्षा प्रणाली
- पुस्तकालय एवं डिजिटल सुविधाएं
- छात्रवृत्ति योजनाएं
- सांस्कृतिक, खेलकूद और सेवा गतिविधियाँ

  से अवगत कराया गया।

प्रत्येक विभाग ने **विषयवार समूहों** में छात्रों को पाठ्यक्रम संरचना, मूल्यांकन पद्धति, करियर संभावनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित जानकारी दी। मनोविज्ञान विभाग द्वारा **मेंटल वेलनेस सेशन**, और रोवर्स-रेन्जर्स एवं एनसीसी द्वारा आगामी **शिविर एवं सेवा कार्यक्रम** की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। छात्रों ने खुलकर प्रश्न पूछे, अपने विचार एवं आकांक्षाएँ साझा कीं और महाविद्यालयीन जीवन के प्रति उत्साह व्यक्त किया।

26 जुलाई 2025 को आयोजित यह संयुक्त दीक्षारंभ कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए **ज्ञान, प्रेरणा और दिशा** का सशक्त स्रोत सिद्ध हुआ।

इसने न केवल महाविद्यालय के वातावरण से उन्हें परिचित कराया, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और सहभागिता की भावना को भी प्रबल किया।

निश्चित रूप से यह आयोजन उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक मजबूत प्रारंभ है।